

4.1 आंतरिक नियंत्रण

आंतरिक नियंत्रण और निगरानी प्रबंधन गतिविधि के आवश्यक घटक हैं। संगठन के रणनीतिक, परिचालन, अनुपालन और रिपोर्टिंग उद्देश्यों को प्राप्त करने में उपयोगी होने के लिए आंतरिक नियंत्रणों की संरचना को समुचित रूप से तैयार और कार्यान्वित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, आंतरिक नियंत्रणों की निगरानी यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि नियंत्रण कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। निगरानी में मुद्दों की पहचान करने और इन मुद्दों को सुधारात्मक कार्रवाई के लिए उपयुक्त पक्षों को संप्रेषित करने के लिए मूल्यांकन का उपयोग शामिल है। अध्याय 2 और अध्याय 3 में चर्चा की गई अनियमितताएं, कमियां और गैर-अनुपालन अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रण तंत्र के संकेतक हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा, जो आंतरिक नियंत्रण तंत्र का अभिन्न अंग है, भी त्रुटिपूर्ण पाई गई। परिचालन और नियामक कार्यों के संबंध में आंतरिक नियंत्रण तंत्र में देखी गई कमियों का विवरण नीचे दिया गया है:

- बसों के संचालन के लिए आवश्यक वस्तुओं पर 48 प्रतिशत की बचत के साथ वर्षों से बजट में लगातार बचत देखी गई थी। जवाहर लाल नेहरू शहरी नवीकरण मिशन के अंतर्गत विशिष्ट उद्देश्यों के लिए प्राप्त अनुदान का उपयोग नहीं किया गया और अन्य उद्देश्यों के लिए विपथित किया गया था। रोडवेज के प्रपत्र लेखे 2015-16 से बकाया थे। ये खराब वित्तीय प्रबंधन के संकेतक थे।
- पर्याप्त बस बेड़े को सड़क पर रखने के लिए आवश्यक नई बसों की खरीद के लिए निविदाओं को अंतिम रूप देने में अपर्याप्त योजना और निर्णय न लेना था।
- सार्वजनिक परिवहन में रोडवेज की हिस्सेदारी में गिरावट, बेड़े का पुराना होना, वाहन की उत्पादकता में गिरावट, लोड फैक्टर, निर्धारित किलोमीटरों का संचालन न होना, प्रभावी किलोमीटर में कमी और लक्ष्यों की प्राप्ति न होना कमजोर परिचालन नियंत्रण का संकेत है। मानकों से अधिक ईंधन की खपत पर अपर्याप्त नियंत्रण और घटती ईंधन दक्षता ने भी कमजोर नियंत्रण तंत्र की ओर इशारा किया।
- बाँडी के निर्माण के बाद बसों को उठाने में असामान्य देरी, बसों को समय से पहले बेकार घोषित करना और कार्यशालाओं में लंबी अवधि के लिए बसों को रोकना विभाग द्वारा कमजोर निगरानी को दर्शाता है।
- एक ओर अपेक्षित स्टाफ की संख्या से अधिक ड्राइवरों एवं कंडक्टरों की तैनाती और सुचारू संचालन के लिए अपेक्षित तकनीकी स्टाफ में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी, त्रुटिपूर्ण श्रमशक्ति प्रबंधन की ओर इशारा करती है।
- विभाग विभिन्न प्रकार के वाणिज्यिक वाहनों से मोटर वाहन कर की देय राशि की वसूली नहीं कर सका। यह कमजोर नियामक नियंत्रणों और निगरानी को इंगित करता है।

- वाहनों के डीलरों/विनिर्माताओं से व्यापार फीस की वसूली न होने, वाहन चालक प्रशिक्षण स्कूल से लाइसेंस फीस की वसूली न करने और वाहनों के पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी न करने के मामले कमजोर नियामक नियंत्रण को इंगित करते हैं।
- सरकारी राजस्व की कम जमा राशि और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बिना नकद प्राप्तियों को रद्द करने से विभाग के दुर्विनियोजन का जोखिम प्रकट हुआ।
- वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र का नवीकरण न करने और प्रदूषण नियंत्रण केंद्रों द्वारा केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के प्रावधानों के उल्लंघन के मामले इंगित करते हैं कि विभाग द्वारा मानदंडों को अपनाया नहीं गया था।
- नियोजित इकाइयों के विरुद्ध आंतरिक लेखापरीक्षा करने में 39 प्रतिशत की कमी थी।

अध्याय 2 और अध्याय 3 में चर्चा की गई अनियमितताओं से पता चलता है कि आंतरिक नियंत्रण तंत्र में सुधार की काफी गुंजाइश है।